''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स:2020'' के सफल आयोजक कीट–कीस के संस्थापक तथा कंधमाल लोकसभा सांसद : प्रो अच्युत सामंत से सीधी बातचीत के कुछ प्रमुख अंश

प्रश्न 1: जैसाकि आपको विदित है कि ''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स:2020'' भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की भारत के युवाओं के सर्वांगीण विकास से जुड़ी हुई अनेक महात्वाकांक्षी योजनाओं में से एक ऐतिहासिक योजना है जिसकी मेजबानी की जिम्मेदारी आपने सहर्ष अपने जिम्मे ली है। सबसे पहले तो इसके लिए आपको बधाई। दूसरी बात यह कि इस आयोजन से जुड़े पूरे भारत के लगभग 200 विश्वविद्यालयों के कुल लगभग 4000 खिलाड़ियों के आतिथ्य–सत्कार से आप कितने उत्साहित हैं?

प्रोफेसर अच्युत सामंत का उत्तर 1: सबसे पहले तो भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति मैं आभार जताना चाहूंगा जिन्होंने ''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स:2020''के आयोजन का निर्णय ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में करने का निर्णय लिया ।इसके लिए उनका शत–शत वंदन तथा अभिनन्दन! साथ ही साथ मैं भारत सरकार के खेल तथा युवा कल्याण मंत्री माननीय श्री किरन रिजिजू के प्रति भी कृतज्ञ हूं जिन्होंने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर आकर कीट डीम्ड विश्वविद्यालय में उपलब्ध समस्त अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों पर निर्मित अनेकानेक खेलकूद स्टेडियम तथा यहां पर उपलब्ध समस्त अत्याधुनिक खेलकूद संसाधनों आदि को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक के प्रति मैं विशेष रुप में हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने ''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स:2020''की मेजबानी का जिम्मा मुझे सौंपा। इसके लिए मैं काफी गौरवान्वित हूं तथा निश्चित रुप से उत्साहित भी हूं। यह युवा खेल महाकुम्भ 21फरवरी से आरंभ हुआ है तथा पहली मार्च,2020 तक चलेगा। इस यूनिवर्सिटी खेल महाकुंभ में कुल 17 अलग–अलग स्पर्धाएं आयोजित हो रही हैं जिनमें से कुल 14 स्पर्धाओं की मेजबानी कीट कर रहा है।

शेष स्पर्धाएं कलिंग स्टेडियम भुवनेश्वर तथा जवाहरलाल नेहरु इन्डोर स्टेडियम कटक में आयोजित हो रही हैं। इसमें कीट डीम्ड विश्वविद्यालय से कुल लगभग 100 खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं। 26फरवरी,2020 तक कीट के खिलाड़ी अलग–अलग इवेंट्स में स्वर्ण पदक,रजत पदक तथा कांस्य पदक जीत चुके हैं।यह सबसे बड़ी खुशी की बात है। भारत के कुल लगभग 200 विश्वविद्यालयों के लगभग 4000 एथलेटों में से कीट में खिलाड़ियों की जीत उनके उत्साह तथा मनोबल को बढ़नेवाली सिद्ध हो रही है। यहां पर लगभग एक हजार खेल आफिसियल्स भी रहते हैं ,उनसभी के लिए रहने,खाने–पीने आदि की उत्कृष्ट व्यवस्थाएं मैंने कीट में उपलब्ध करा रखी है। उनके लिए टू–सीटर एअरकंडिशन रुम हैं जिनमें टायलेट आदि की उत्तम व्यवस्था है। एथलेटों से लेकर सभी खेल अधिकारियों आदि के लिए सुबह नाश्ते से लेकर उनकी रुचि के अनुसार भोजन,फल,गाय के शुद्ध दूध आदि की उत्तम व्यवस्था है। मुझे इस बात की खुशी है कि यह आयोजन भारत के युवाओं के लिए है जो कीट में बड़े ही अच्छे तरीके से चल रहा है। प्रतिदिन सभी खिलाड़ियों से नाश्ते और भोजन पर मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैं उनके उत्साह और मनोबल को सदैव बढ़ाने का प्रयत्न करते रहता हूं। आपतो जानते हैं कि मैं अकेले रहता हूं और वह भी किराये के मकान में। मेरे लिए तो मेरे कीट–कीस के कुल लगभग 60हजार बच्चे और लगभग 11हजार स्टाफ ही अपने परिवार के सदस्य के रुप में हैं जिनके दुख–सुख में पूर्ण सहयोग करते हुए मैं बड़े आनन्द के साथ अपना समय व्यतीत करता हूं। 21फरवरी,2020 से मेरे अपने परिवार के रुप में ''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्सः2020'' के कुल 4000 खिलाड़ी तथा एक हजार खेल आफिसियल्स भी जुड़ चुके हैं।

प्रश्न 2ः प्रो अच्युत सामंत जी,आपके विदेह जीवन का लक्ष्य क्या है? आप भारत ही नहीं पूरे विश्व के लाखोंलाख होनहार युवाओं के आदर्श हैं? कैसे?

उत्तर 2: मैं सादा और सरल जीवन जीता हूं लेकिन मेरे विचार उच्च हैं। मेरे जीवन का सपना है कि मैं आजीवन अविवाहित रहकर उत्कृष्ट शिक्षा के माध्यम से समाज के उपेक्षित,वंचित और पददलित समाज के बच्चों का सर्वांगीण विकास करता हूं तथा उन्हें स्वावलंबी बनाकर उन्हें समाज के विकास की मुख्य धारा के साथ जोड़ता भी रहूं। पिछले लगभग 54वर्षों से इसी काम में मैं अपने आपको लगाये हुए हूं। मेरा यह मानना है कि विश्व गरीबी का उन्मूलन का एकमात्र साधन ''उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना ही है'' जो मैं कर रहा हूं और आजीवन करता रहूंगा। मेरे जीवन का एक यथार्थ दर्शन है कि बिना किसी भी स्वार्थ के जितना हो सके मैं दूसरों की सहायता कर सकूं इसीलिए मेरे जीवन की अवधारणा है—**अन्तर्राष्ट्रीय आर्ट ऑफ गिविंग** जिसका आरंभ मैंने 17मई,2013 से किया है। आज उसके साथ पूरा विश्व और विश्व के लाखोंलाख युवा जुड़ चुके हैं। मेरा यह मानना है कि किसी भी विश्वविद्यालय का यह नैतिक दायित्व होता है वह अध्ययन करनेवाले युवाओं को उत्कृष्ट शिक्षा के साथ उनके स्वस्थ जीवन के लिए खेल की उत्कृष्ट सुविधाएं तथा उनके अन्दर भारतीयता के विकास के लिए संस्कार और संस्कृति को सतत बढ़ावा दे। कीट तथा कीस दोनों डीम्ड विश्वविद्यालयों के माध्यम से मेरा लक्ष्य युवाओं को शिक्षा,खेल तथा संस्कार सह संस्कृति का मैं विकास आजीवन कर सकूं और उसी पवित्र कार्य में मेरा जीवन संलग्न है।

प्रश्न 3: प्रो अच्युत सामंत,मेरे दिव्य पुरुष,आप कीट—कीस के संस्थापक हैं। महान शिक्षाविद हैं। सरलता और सादगी के आदर्श हैं। 21वीं सदी के भारत के सच्चे गांधीवादी हैं। आप एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं। कंधमाल लोकसभा के माननीय सांसद हैं,''प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स:2020'' के पूरे भारत से करीब 200 विश्वविद्यालयों के लगभग 4000 खेल प्रतिभाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर3: सभी के लिए मेरा एक ही संदेश है कि जीवन में हार—जीत एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। जीत कहती है कि जोश में होश

बनाये रखें तथा हार कहती है कि जीत का प्रयास पूरे मन से नहीं किया गया। इन दोनों का विशेष ध्यान युवावर्ग सदैव रखे। खेल के नियमों का आदर करते हुए सिर्फ खेलभावना के साथ सभी खिलाड़ी खेलें और भुवनेश्वर कीट से अलविदा होने से पहले अपने साथ आपसी प्रेम,आत्मीयता,भाईचारा तथा सद्भावना को अपने साथ लेकर जायें। पाण्डेयजी,सच तो यह है कि कीट अपने यहां अनेक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन करा चुका है। ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना मेरी प्राथमिकता है। प्रथम खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2020 की मेजबानी कीट डीम्ड विश्वविद्यालय ने तन,मन और धन के साथ–साथ पूरे सेवाभाव से किया है। सच तो यह भी है कि इस सफल आयोजन ने मेरी कीट लॉ की छात्रा तथा भारत की उड़नपरी दुती चान्द के लिए यह आयोजन 2020 टोकियो ओलंपिक में हिस्सा लेनेवाली पूर्वभ्यास का सफल समय सिद्ध हुआ है। मेरी समस्त शुभकामनाएं सभी के लिए 10मार्च,2020 रंगों के त्यौहार होली की! प्रस्तुति :अशोक पाण्डेय